Gupta period (Part -14)

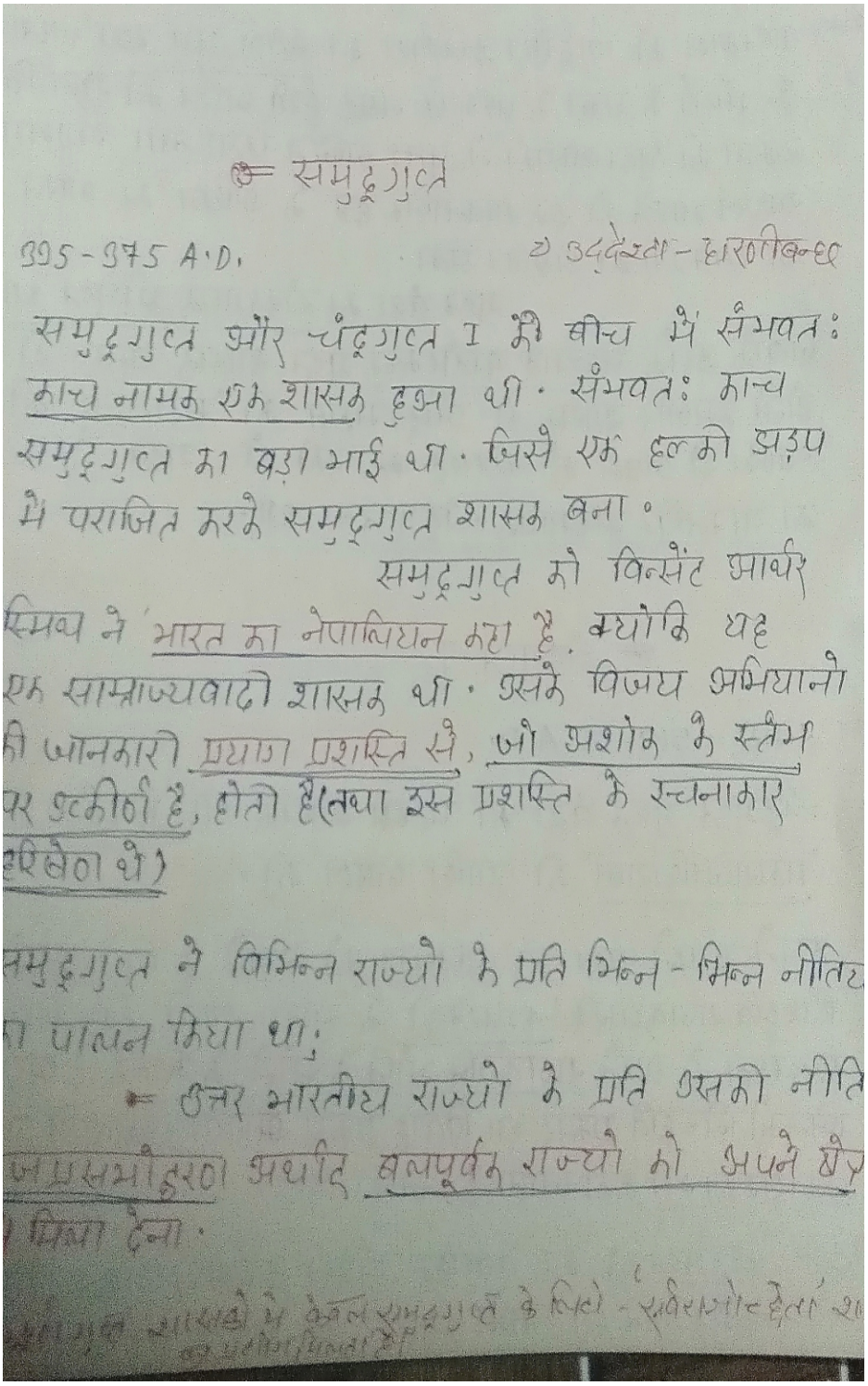

समुद्रगुप्त

335 - 375 A.D.　　　　उपदेष्टा - [illegible]

समुद्रगुप्त और चंद्रगुप्त I के बीच में संभवतः काच नामक एक शासक हुआ था। संभवतः काच समुद्रगुप्त का बड़ा भाई था। जिसे एक हल्की झड़प में पराजित करके समुद्रगुप्त शासक बना।

समुद्रगुप्त को विन्सेंट आर्थर स्मिथ ने 'भारत का नेपोलियन कहा है', क्योंकि यह एक साम्राज्यवादी शासक था। उसके विजय अभियानों की जानकारी प्रयाग प्रशस्ति से, जो अशोक के स्तंभ पर उत्कीर्ण है, होती है (तथा इस प्रशस्ति के रचनाकार हरिषेण थे)

समुद्रगुप्त ने विभिन्न राज्यों के प्रति भिन्न - भिन्न नीति का पालन किया था;

- उत्तर भारतीय राज्यों के प्रति उसकी नीति प्रसभोद्धरण अर्थात् बलपूर्वक राज्यों को अपने क्षेत्र में मिला देना।

...शासकों में केवल समुद्रगुप्त के लिये - 'सर्वराजोच्छेता' श...
...का प्रयोग मिलता है।

• आटविक जातियों के प्रति निति – परिचारिकीकृत अर्थात् बलपूर्वक अपना सेवक बना लेना।

• दक्षिण भारतीय 12 राज्यों के प्रति निति – राजग्रहण मोक्षानुग्रह

• समतट, डवाक, नेपाल तथा कर्तृपुर जैसे सीमावर्ती राज्यों के प्रति निति – ~~आज्ञा~~ सर्वकर दान, आज्ञाकरण प्रणाम आगमन।

• पड़ोसी राज्यों के प्रति निति – आत्म निवेदन, कन्योपायन दान, गरूत्मदंक - स्वविषय - भुक्ति - शासन - याचन

= समुद्रगुप्त ने उत्तर भारत में अपना प्रथम अभियान जिन राज्यों के प्रति किया था उसमे ;

• अच्युत – नागवंशीय शासक था। जिसका राज्य अहिक्षत्र (बरेली के रामनगर का आधुनिक क्षेत्र) में था।

• नागसेन – नागवंशीय शासक, जिसकी राजधानी पद्मावती (आधुनिक Gwalior में स्थित) थी।

• कोतकुलज – यह वंश का नाम है। संभवतः पाटलीपुत्र में समुद्रगुप्त जब खुशीया मना रहा था। तब इसे संभवतः समुद्रगुप्त की सेना ने पुष्कलावती या पुरुषपुर से गिरफ्तार किया होगा।

नोट :- इन युद्धो को "आर्यावर्त का प्रथम युद्ध" कहा जाता है।
मनुस्मृति में 'पूर्वी समुद्र से लेकर - पश्चिमी समुद्र तक और विन्ध्याचल पर्वत तथा हिमालय पर्वतों के बीच का भाग आर्यावर्त कहलाता है।

→ वामन के काव्यालंकार सूत्र में समुद्रगुप्त का नाम चन्द्रप्रकाश मिलता है।
→ समुद्रगुप्त के समय श्रीलंका के शासक मेघवर्ण ने गया में बौद्ध विहार अनुमति लेकर बनवाया था।